This question paper contains **4+2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **425**

Unique Paper Code : **205540** **D**

Name of the Paper : **Paper II : Hindi-B M.I.L. (आधुनिक भारतीय भाषा : हिंदी 'ख')**

(प्रवेश वर्ष 2011 और इसके बाद)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi Language**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8+8=16

(क) इत्यादि यूँ तो हर जोखिम से डरते थे

लेकिन कभी-कभी जब वो डरना छोड़ देते थे

तो बाकी सब उनसे डरने लगते थे

इत्यादि ही करने को वो सारे काम करते थे

जिनसे देश और दुनिया चलती थी

P.T.O.

हालांकि उन्हें ऐसा लगता था कि वो ये सारे काम

सिर्फ़ अपना परिवार चलाने को करते हैं

इत्यादि हर जगह शामिल थे पर उनके नाम कहीं भी

शामिल नहीं हो पाते थे

इत्यादि बस कुछ सिरफिरे कवियों की कविता में

अक्सर दिख जाते थे।

प्रश्न :

(*i*) प्रस्तुत काव्यांश किस कविता से लिया गया है और इसके रचनाकार कौन हैं ?

(*ii*) कविता में 'इत्यादि' कौन हैं ?

(*iii*) 'इत्यादि' जब डरना छोड़ देते हैं तो बाकी लोग उनसे क्यों डरने लगते हैं ?

(*iv*) उपर्युक्त काव्यांश की अंतिम **चार** पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) मनुष्य की भावनाएँ बड़ी विचित्र होती हैं। निर्जन, एकांत स्थान में निस्संग होने पर भी कभी-कभी आदमी एकाकी अनुभव नहीं करता। लगता है, इस एकाकीपन में भी सब कुछ कितना निकट है, कितना अपना है। परन्तु इसके विपरीत कभी-कभी सैकड़ों नर-नारियों के बीच जनरवमय वातावरण में रहकर भी सूनेपन की अनुभूति होती है। लगता है, जो

कुछ है वह पराया है, कितना अपनत्वहीन! पर यह अकारण ही नहीं होता। इस एकाकीपन की अनुभूति, इस अलगाव की जड़ें होती हैं—विछोह या विरक्ति की किसी कथा के मूल में।

प्रश्न :

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है और उसके लेखक कौन हैं ?

(*ii*) निर्जन स्थान में कभी-कभी आदमी अकेलेपन का अनुभव क्यों नहीं करता है ?

(*iii*) कभी-कभी सैकड़ों नर-नारियों के बीच में रहकर भी इंसान को सूनापन क्यों लगता है ?

(*iv*) एकाकीपन की अनुभूति की जड़ें कहाँ होती हैं ?

(ग) प्राय: ही किन्हीं के घर साहित्य मंडलियाँ जुटतीं। पुराने और नए लोगों का जमावड़ा देखने लायक, सुनने लायक! रत्नाकर जी का वह विशाल शरीर—उनकी मोटी गरदन से जब मोटे स्वर में कवित्त की धारा फूटती, तो लगता, सचमुच हमारे सामने ही 'गंगावतरण' हो रहा है! हरिऔध करुणा की धारा बहाते-बहाते स्वभावत: ही अपनी आँखों में सावन-भादों उमड़ा लेते! लाला भगवानदीन जी की बात ही निराली—वैसा फक्कड़ साहित्यिक अब कहाँ देखने को मिलता है! पिंगल और अलंकार के आचार्य के रूप में तथा एक उच्च कोटि के साहित्य शिक्षक के रूप में तो वह प्रसिद्ध थे ही! गया की 'लक्ष्मी' का बहुत दिनों

तक संपादन किया था, अत: हम लोग उन्हें अपना ही समझते। गोस्वामी जी की फबन ही निराली थी—बुढ़ापे में भी आँखों में सुरमा लगाने से नहीं चूकते थे तथा बच्चों को भी चिकोटी काटे बिना नहीं छोड़ते थे।

प्रश्न :

(*i*) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है और उसके लेखक कौन हैं ?

(*ii*) साहित्यिक मंडली में किन लेखकों का जमावड़ा रहता था ?

(*iii*) रत्नाकर जी और हरिऔध जी के बारे में क्या बताया गया है ?

(*iv*) गोस्वामी जी की फबन निराली क्यों थी ?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×3=9

(क) 'बांधो न नाव इस ठांव बंधु'—कविता में घाट को देखकर कवि की कौनसी स्मृतियाँ ताजा हो उठी हैं ?

(ख) हिंदी को बढ़ावा देने के लिए गांधी जी ने क्या-क्या सुझाव दिए थे ?

(ग) 'किताब और नया हिसाब-किताब' के लेखक कौन हैं ? इस लेख में पुस्तक और पोथी में क्या अंतर बताया गया है ?

(घ) 'कॉफी हाउस' लेख में पिछली पीढ़ी और आज की पीढ़ी में क्या अन्तर बताया गया है ?

(ङ) 'दाज्यू' कहानी में जगदीश बाबू द्वारा मदन को डांटने पर उसके व्यवहार में क्या अंतर आया ?

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6×3=18

(क) 'हिंदी भाषा के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ख) बिहारी हिंदी की बोलियाँ कौन-कौनसी हैं ? किन्हीं **दो** का परिचय दीजिए।

(ग) संक्षेप में ब्रज भाषा के उद्भव पर प्रकाश डालिए।

(घ) हरियाणवी और खड़ी बोली का अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 6×3=18

(क) भाषा और लिपि का अंतर्संबंध

(ख) मानक लिपि

(ग) लिपि का उद्भव

(घ) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।

5. शब्द-शक्ति किसे कहते हैं ? साहित्य में इनकी क्या उपयोगिता है ? 6

अथवा

'अभिधा' शब्द-शक्ति का सोदाहरण परिचय दीजिए।

6. (क) 'दिखीं दिशाएँ, झलके पेड़,/चरने को चले ढोर—गाय-भैंस-भेड़,/खेलने लगे लड़के छेड़-छेड़,/ लड़कियाँ घरों को कर भासमान'—इस गीत के इस अंश में आए अभिधा और लक्षणा के प्रयोग बताइये। 4

(ख) 'कोई एक बार लौट जाए तो दूसरों को काटने दौड़ता है घर/नए चलन ने बहुत सहूलियत बख्शी है चोरों को'—प्रस्तुत काव्यांश का व्यंग्यार्थ बताइए। 4